सेन्ट्रल बैंक ऑफ़ इंडिया
Central Bank of India
1911 से आपके लिए "केंद्रित" "CENTRAL" TO YOU SINCE 1911

सेन्ट कान्हेरी

मुम्बई उपनगरीय क्षेत्रीय कार्यालय की ई-पत्रिका

दिसम्बर-2020

सेन्ट कान्हेरी

मुम्बई उपनगरीय क्षेत्रीय कार्यालय की ई-पत्रिका

संरक्षक

श्री सुधांशु शेखर
क्षेत्रीय प्रबंधक

मार्गदर्शक

श्री अजय झा
(मुख्य प्रबंधक)
श्री सत्येन्द्र सिंह
(मुख्य प्रबंधक)
श्री उमेश कुमार
(मुख्य प्रबंधक)

परामर्शदाता

श्री रमेशचन्द्र भंडारी
(वरिष्ठ प्रबंधक)
श्री विकास पटेरिया
(वरिष्ठ प्रबंधक)
श्री महेन्द्र पँवार
(वरिष्ठ प्रबंधक)

संपादक

रंजना चौधरी
प्रबंधक -राजभाषा

संपर्क
राजभाषा विभाग
मुंबई उपनगरीय क्षेत्रीय कार्यालय
मेल : hindimsro@centralbank.co.in
दूरभाष : 022- 62531248

विषय -सूची

1.	क्षेत्रीय प्रबंधक का संदेश	03
2.	मुंबई के दर्शनीय स्थल	05
3.	हिन्दी कार्यशाला	10
4.	काव्य - कुंज	11
5.	स्थापना दिवस	13
6.	कहानियाँ	14
7.	खाना-खजाना	15
8.	सेन्ट होम लोन योजना	16
9.	मन के हारे हार है – मन के जीते जीत	20
10	मुंबई उपनगरीय क्षेत्रीय कार्यालय - एक नजर	22
11	वार्षिक कार्यक्रम	23
12	विज्ञापन	24

क्षेत्रीय प्रबंधक का संदेश

प्रिय सेन्ट्रलाइट साथियों,

" सेन्ट कान्हेरी " ई-पत्रिका के इस नवीनतम अंक के माध्यम से मुझे आप सभी के समक्ष अपने तथा क्षेत्र की गतिविधियों के विषय में विचार प्रस्तुत करने का अवसर प्राप्त हुआ है.

कोरोना वायरस की भयानक महामारी से वर्ष 2020 के छ: माह वैश्विक आपदा की भेंट चढ़ गए. इस अवधि के के दौरान न केवल हमारे देश की अपितु पूरे विश्व में हुई वित्तीय क्षति का अनुमान लगाना कठिन है. वर्तमान में भी हमारा देश ही नही बल्कि पूरा विश्व इस कोरोना आपदा के गंभीर संकट से उबरने के लिए जूझ रहा है. इस वैश्विक महामारी के दौरान सभी आर्थिक गतिविधियाँ ठप्प हो गई थीं एवं पूरे विश्व की अर्थव्यवस्था भी चरमरा गई थी. हमारे बैंक ने भी कोविड-19 के संकट से उबरने के लिए कई योजनाएँ प्रारंभ की है. बैंकिंग परिप्रेक्ष्य में हमें भी अपने बैंक को पीसीए से बाहर लाना है, और यह हम सभी सेन्ट्रलाइट के लिए एक बड़ी चुनौती है. गैर निष्पादित आस्तियों (एनपीए) को कम करने, रिटेल, एमएसएमई तथा कृषि व्यवसाय को बढ़ाने हेतु हम सभी को एकजुट होकर टीम भावना से कार्य करना होगा.

इस महामारी के दौरान विषम परिस्थितियों में भी क्षेत्रीय कार्यालय एवं शाखाओं में कार्यरत सभी कर्मचारियों ने जिस साहस और धैर्य से अपने अपने कार्यों का सफलतापूर्वक निर्वहन किया है, उसकी मैं तहे दिल से सराहना करता हूँ.

मै नववर्ष 2021 के आगमन पर क्षेत्र से सभी स्टाफ सदस्यों तथा उनके परिवारजनों को शुभकानाएं प्रेषित करता हूं.

शुभकामनाओं सहित,

(सुधांशु शेखर)
क्षेत्रीय प्रबंधक

मुंबई के दर्शनीय स्थल

गेटवे ऑफ इंडिया : मुंबई के कोलाबा स्थित गेटवे ऑफ इंडिया वास्तुशिल्प का बढिया प्रतिक है. वह मुंबई के ताज होटल के ठीक सामने स्थित है. अरब सागर के समुद्री मार्ग से आने वाले जहाजों आदि के लिए यह भारत का द्वार कहलाता है. यह भव्य स्मारक रात के समय देखने योग्य होता है जब इसकी विशाल भव्यता समुद्र की पृष्ठभूमि में दिखाई देती है तो यह अति सुंदर और मोहनीय लगता है. भारत के सबसे लोकप्रिय धरोहरों में से एक गेटवे ऑफ इंडिया का निर्माण दिसम्बर 1911 में ब्रिटेन के किंग जॉर्ज़ पंचम और क्वीन मैरी की मुंबई की यात्रा को यादगार बनाने के उपलक्ष्य में किया गया था. गेटवे ऑफ इंडिया की संरचना आयत आकार की है.

सिद्धिविनायक मंदिर : मुंबई के प्रभादेवी में स्थित श्री सिद्धिविनायक मंदिर देश में स्थित सबसे पूजनीय मंदिरों में से एक है. यह मंदिर भगवान गणेश को समर्पित है. इस मंदिर का निर्माण 1801 हुआ. सूक्ष्म शिल्पाकारी से परिपूर्ण गर्भगृह के लकडी के दरवाजों पर अष्टविन्याक को प्रतिबिंबित किया गया है. जबकि अंदर की छतें सोने की परत से सुसज्जित है. गणपति के दोनों ओर उनकी दोनों पत्नियाँ रिद्धि और

सिद्धि मौजूद हैं जो धन, ऐश्वर्य, सफलता और सभी मनोकामानाओं को पूर्ण करने का प्रतिक है.

हाजी अली : हाजी अली की दरगाह मुंबई के वर्ली तट के निकट स्थित एक छोटे से टापू पर स्थित एक मस्जिद और दरगाह है. इसे सैय्यद पी हाजी अली शाह बुखारी की याद मे सन 1431 में बनाया गया था. यह दरगाह मुस्लिम और हिन्दू समुदायों के लिए विशेष धार्मिक महत्व रखती है. यह मुंबई का महत्वपूर्ण धार्मिक और पर्यटन स्थल भी है. हाजी अली की दरगाह पर जाने के लिए मुख्य सडक से एक पुल बना हुआ है. इस पुल की उँचाई काफी कम है और इसके दोनों ओर समुद्र है.

मरीन ड्राइव : क्वीन नेकलेस कहलाने वाली इस सडक को मुंबई की सबसे खूबसूरत सडक माना जाता है. जिसका निर्माण 1920 में हुआ. रात में मरीन ड्राइव के शानदार घुमाव पर लगी स्ट्रीट लाइटें रात्रि के समय इस प्रकार जगमगाती है कि इसे क्वीन नेकलेस नाम दिया गया. मानसून के आते ही मरीन ड्राइव पर सैलानियों की भीड़ उमड़ती है. सैलानी यहाँ हाई टाइड का आनंद उठाने पहुँचते हैं. यहाँ फिल्मे और धारावाहिक सीरियलों की भी शूटिंग की जाती है.

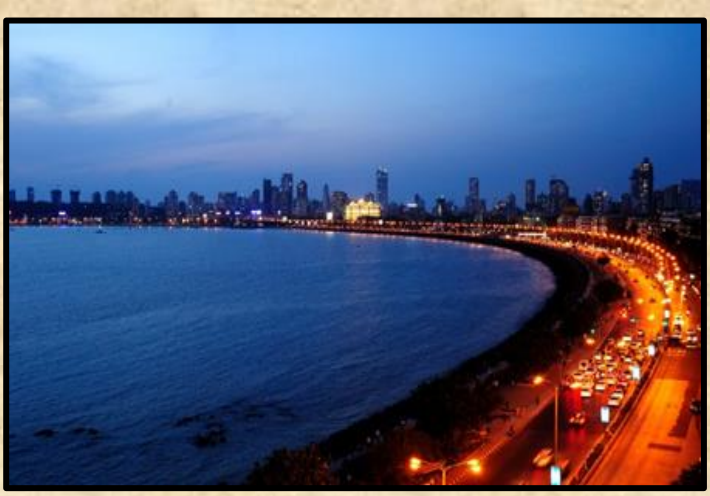

माउंट मेरी चर्च : माउंट मेरी चर्च मुंबई शहर के बान्द्रा में स्थित है. यह चर्च

वर्जिन मेरी को समर्पित है. यह चर्च 1761 में दुबारा बनाया गया था. इस चर्च में सितम्बर माह के दौरान सप्ताह भर तक मेला लगता है. जिसमें हर धर्म के लोग इस मेले में शामिल होते हैं. इस चर्च को बासिलिका ऑफ अवर लेडी ऑफ द माउंट भी कहा जाता है. यह चर्च समुद्र सतह से 80 मीटर की उँचाई पर स्थित है जहाँ से आप अरब सागर का अदभूत दृश्य देख सकते हैं.

जुहू बीच : जुहू बीच मुंबई शहर का सबसे प्रसिद्ध तट है और पर्यटन स्थल भी है.

समंदर से उठती लहरों का शोर और पश्चिम में डूब रहे सूरज का नयनभिराम दृश्य जुहू बीच को प्रसिद्ध बनाती है. यह जगह मुंबई वासियों की पहली पसंद है. यहाँ लगने वाले पाव-भाजी, भेल-पूरी और पानी-पूरी चाट के स्टॉल प्रसिद्ध है. इस सागर तट को कई हिन्दी एवं अन्य भाषाओं की फिल्मों में दिखाया गया है.

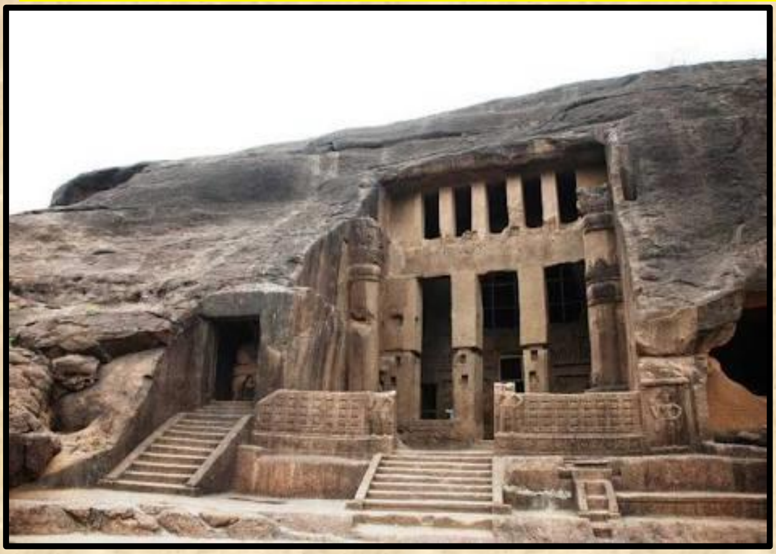

कान्हेरी गुफाएँ : कान्हेरी गुफाएँ बोरीवली में स्थित संजय गांधी राष्ट्रीय उद्यान के परिसर में स्थित है. ये गुफाएँ बौद्ध कला दर्शाती है. कान्हेरी शब्द कृष्णगिरी यानी काला पर्वत से निकला है. कान्हेरी की गुफाओं को एक ही पहाड़ को तराश कर लगभग 109 गुफाओं का निर्माण किया गया है पर उल्लेखनीय केवल एक ही है जो काली के चैत्य के अनुरुप बनाई गई है. कान्हेरी गुफाएँ बौद्ध धर्म की शिक्षा हीनयान तथा महायान का एक बड़ा केन्द्र रहा है.

बान्द्रा वर्ली सी-लिंक : बान्द्रा-वर्ली लिंक मुंबई का प्रमुख और नवीनतम आकर्षण है. यह मुंबई की शान को और अधिक बढाता है. मुंबई के विश्वस्तरीय समुद्री पुल याने सी-लिंक ने आम लोगों को आसान यातायात करने के लिए काफी उपयोगी हुआ. इस सी-लिंक के चालू हो जाने से मुंबई के दक्षिणी और पश्चिमी इलाकों के बीच का रास्ता 60-90 मिनट की जगह केवल 6-8 मिनट रह गया. 4.8 किलोमीटर लंबे आठ लेन वाला यह पुल है.

एस्सेल वर्ल्ड : एस्सेल वर्ल्ड भारत का सबसे बड़ा एक मनोरंजन पार्क है जो गोराई मुंबई में स्थित है. इसकी शुरुआत 1989 में की गई थी. इस पार्क का स्वामित्व पैन इंडिया पर्यटन प्राइवेट लिमिटेड के पास है. एस्सेल वर्ल्ड एवं अन्य पार्क जिनमें वाटर किंग्डम इत्यादि हैं कुल 64 एकड़ जमीन पर फैला हुआ है. एस्सेल वर्ल्ड में बहुत सारे मनोरंजन के साधन एवं खेल है, नई राइड्स हैं जो बच्चों एवं बड़ो को काफी पसंद आते हैं.

पगोडा : मुंबई में बना विपश्यना का ध्यान केन्द्र पगोड़ा गौतम बुद्ध के विचारों और ज्ञान का प्रसार करने हेतु है. स्तूप एक मकबरे जैसी आकृति है जहाँ पवित्र अवशेषों को सुरक्षित रखा जा सकता है. पगोडा को विश्व शांति स्तूप के रूप में भी जाना जाता है. एक तरह से आप भगवान बुद्ध के मंदिर को पगोडा कह सकते हैं. यहाँ के केन्द्रीय हाल में 8000 लोग एक साथ बैठकर ध्यान कर सकते हैं. 294 फुट उंचा यह पगोड़ा विश्व का सबसे बड़ा पगोड़ा है. इस में बिना पिलर का हॉल है. यह 61300 वर्गफुट क्षेत्र में फैला हुआ है. इसी में एक गुबंद की छत से जो 86 फुट उंची है.

ऑन-लाइन हिन्दी कार्यशाला

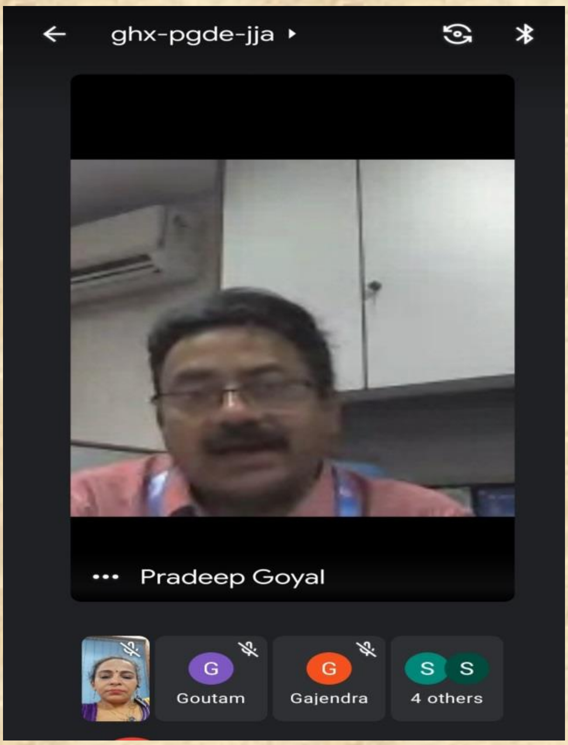

मुंबई महानगर आंचलिक कार्यालय के तत्वाधान में दिनांक 10.12.2020 को तीन क्षेत्रीय कार्यालयों (एसएमआरओ, एमएसआरओ, टीआरओ) सहित एक संयुक्त हिन्दी कार्यशाला का आयोजन किया गया. जिसमें 10 कर्मचारियों को हिन्दी प्रशिक्षण दिया गया.

पाठकों से अनुरोध

आपसे अनुरोध है कि ई-पत्रिका मे आगामी अंक हेतु लेख, कहानियाँ, कविताएँ, चुटकुले या रसोई के व्यंजन, दर्शनीय स्थल आदि की जानकारी हमें hindimsro@centralbank.co.in पर प्रेषित करें. उक्त सामग्री हमें हिन्दी-अंग्रेजी-क्षेत्रीय भाषा में भेजी जा सकती है.

काव्य - कुंज

आज बड़े दिनों के बाद..........

सुश्री श्रृति पाल
सहायक प्रबंधक (मुंउक्षेका)

आज बड़े दिनों के बाद सुरज की किरणों का अहसास हुआ,

आज बड़े दिनों के बाद चिड़ियों की चहचहाट से मन प्रफुल्ल हुआ,

आज बड़े दिनों के बाद चाय की चुस्की में जल्दबाजी नहीं हुई,

आज बड़े दिनों के बाद वक्त से किसी भी तरह की मशक्कत नहीं हुई,

आज बड़े दिनों के बाद सीड़ी ने साप से जीत दिला दी,

आज बड़े दिनों के बाद वजीर ने राजा को मात दी...

आज बड़े दिनों के बाद अलमारी में छुपे अपने उन तसवीरों को फिर निहारा,

अपने सुखी लम्हों को एक बार फिर से याद कर जी लिया ...

आज बड़े दिनों के बाद घर वालों से दिल खोलकर बातें हुई,

आज बड़े दिनों के बाद अप्ने किताबों से रुबरु मुलाकात हुई,

आज बड़े दिनों के बाद विचारों का मन में अहसास हुआ,

आज बड़े दिनों के बाद कलम का कागज से मिलाप हुआ...

सच है ...

आज बड़े दिनों के बाद सुकुन के यह पल मेरी अमानत हुए ...

आज बड़े दिनों के बाद खुद से खुद की मुलाकात हुई...

सुश्री स्नेहा किणी

सहायक प्रबंधक

मुंउक्षेका

आयुष्य ....

आयुष्य जगण्यासाठी सोपा उपाय हवा..

जिथे आपला मान नाही,

तिथे कधीही जाऊ नये...

जिथे लोक खरं सांगूनही रागवतात ..

तिथे त्यांना मनवत बसायच नाही ,

जे लोक वेळ पाहून बदलतात ..

त्यांच्या सोबत मैत्री करायची नाही .

जे लोक नजरेतून उतरले ...

त्यांचा त्रास कधी करून घ्यायचा नाही...

कितीही संकट आली तरी....

धैर्याने त्याच्या समोरे जायचं

आयुष्य जगण्यासाठी सोपा उपाय हवा..

हमारे बैंक का 110वाँ स्थापना दिवस

मुंबई उपनगरीय क्षेत्रीय कार्यालय में दिनांक 21.12.2020 को बैंक का 110वाँ स्थापना दिवस क्षेत्रीय प्रबंधक श्री सुधांशु शेखर महोदय के नेतृत्व में मनाया गया.

दहिसर (पश्चिम) शाखा

दहिसर (पूर्व) शाखा

देवनार शाखा

चेम्बूर शाखा

कहानियाँ

एक बार एक शेर पिंजरे में फंस गया, उसने निकलने की बहुत कोशिश की लेकिन उसे सफलता नहीं मिली. तभी उसे बगल के रास्ते गुजरता एक आदमी दिखा. शेर ने उससे सहायता मांगी और वादा किया कि वह बाहर निकले पर उसे नहीं खाएगा. शेर की बात पर विश्वास कर, उस आदमी ने पिंजरा खोल दिया. शेर बाहर आ गया लेकिन बाहर आते ही वह अपना वादा भूल गया. अब वह उस आदमी को खाना चाहता था. वह आदमी घबरा गया और अपनी जान बचाने का तरीका सोचने लगा.

उसने सुझाव रखा कि वे अपने मामले को सुलझाने के लिए किसी की सहायता लेते हैं. वहीं से निकल रहे एक सियार से उन दोनों ने फैसला करने का अनुरोध किया. सियार बहुत चतुर था. उसने कहा कि जो-जो हुआ वह सब उसके सामने फिर से करके दिखाओ. शेर फिर से पिंजरे में घुस गया और सियार के कहे अनुसार, उस आदमी ने जल्दी से पिंजरा बंद कर दिया और उस पर ताला लगा दिया. इसके बाद वह आदमी और सियार, दोनो वहाँ से भाग निकले और कृतघ्न शेर फिर से पिंजरे में बंद रह गया.

****

एक हिरन और एक कौआ पक्के दोस्त थे. एक दिन कौए ने हिरन को एक सियार के साथ देखा, सियार बहुत चालाक जानवर माना जाता है.

कौए ने अपने दोस्त हिरन को समझाया कि सियार पर भरोसा नहीं करना चाहिए. हिरन ने कौए की सलाह पर ध्यान नही दिया और सियार के साथ एक खेत में चला गया. हिरन वहाँ लगे जाल में फंस गया. सियार उससे कहने लगा, “मै तो किसान को बुलाने जा रहा हूँ वह आयेगा और तुम्हें मार डालेगा. मुझे भी वह तुम्हारे गोश्त का हिस्सा देगा.” हिरन चिल्लाने लगा. कौए ने अपने दोस्त के चिल्लाने की आवाज सुनी तो तुरंत उसकी सहायता के लिए आ गया. उसने हिरन से कहा कि वह ऐसे लेट जाए, जैसे वह सचमुच मर गया हो. थोडी देर में, सियार की आवाज सुनकर किसान वहँ आ पहुँचा. उसने देखा कि जाल में हिरन तो मरा पड़ा है. उसने जाल खोल दिया. जाल खुलते ही हिरन को मौका मिल गया और वह तुरंत उछलकर वहाँ से भाग गया. गुस्साए किसान ने सियार की पिटाई कर दी और उसे वहाँ से भगा दिया.

सेन्ट कान्हेरी
मुम्बई उपनगरीय क्षेत्रीय कार्यालय की ई-पत्रिका

खाना - खजाना

सुश्री केशरी कुक्यान
सहायक प्रबंधक - मुंउक्षेका

मूँग दाल के अप्पे

सामग्री : मूँग दाल 1 कप, हरि मिर्च 1, आले का तुकड़ा 1 इंच, हरा धनिया, नमक स्वादानुसार, शक्कर थोडी सी, तेल, राई, जीरा, हिंग. हल्दी

विधि : मूँग दाल 1 घंटे के लिए भिगो कर रखें. फिर भिगी हुई मूँग दाल, हरी मिर्च, आले का तुकडा डालकर दरादरा पिस लें. उसमें नमक, शक्कर, हल्दी और हरी धनिया डाले.

अप्पे के बर्तन को तेल से ग्रीस करें और प्रत्येक मोल्ड में थोडा सा तेल डालकर राई, जीरा तथा हिंग डालकर मूँग का बैटर आधा टेबल स्पून डाले और कवर कर के धीमी आंच पर 3-4 मीनट के लिए पकाएँ . बाद में अप्पे पलटे और क्रिस्पी होने तक पकाएँ .
फिर इसे चटनी या सॉस के पास परोसे.

श्री अजय झा
मुख्य प्रबंधक - ऋण
मुंउक्षेका

सेन्ट होम लोन योजना

उद्देश्य : नए घर /फ्लैट के निर्माण/ अधिग्रहण के लिए मौजुदा घर/ फ्लैट का अधिग्रहण करने के लिए, जिसमें लागू ऋण कार्यकाल 10 वर्ष से अधिक का जीवन शेष हो.

- मौजूदा घर/फ्लैट की मरम्मत /नवीनीकरण/ परिवर्तन के लिए.

पात्रता :

- व्यक्तियों, व्यक्तियों के समूह, जिन्होंने आवेदन की तिथि के अनुसार 18 वर्ष (पूर्ण) प्राप्त किए हैं और सहकारी समितियों सहित, माता-पिता, पुत्र, पति या पत्नि के साथ कानूनी पहचान और नियमित रूप से आय का स्त्रोत.
- एनआरआई भी आवास ऋण के लिए पात्र हैं.

ऋण की प्रमात्रा:

ईएमआई/ एमएमआई अनुपात के आधार पर आवेदक की शुद्ध वार्षिक आय और चुकाने की क्षमता -

शुद्ध वार्षिक आय / Net Annual Income	ईएमआई /एनएमआई अनुपात EMI/NMI Ratio (अधिकतम / Maximum)
<=रु.1.20 लाख	20%
>रु.1.20 लाख एवं <=रु.3.0 लाख	30%
>रु. 3.0 लाख एवं <=रु.5.0 लाख	55%
>रु.5.0 लाख एवं <=रु.8.0 लाख	60%
>रु.8.0 लाख एवं <=रु.10.00 लाख	65%
> रु.10.00 लाख	66.67%

2. एनएमआई (शुद्ध मासिक आय) = सकल मासिक आय (जीएमआई) - सभी वैधानिक कटौती और कर (सभी मौजूदा और प्रस्तावित ईएमआई को छोड़कर)

ईएमआई/ एनएमआई अनुपात की गणना के उद्देश्य से ईएमआई में मौजूदा ऋण और प्रस्तावित ऋण के लिए सभी ईएमआई शामिल होंगे. इसलिए, एनएमआई की गणना के उद्देश्य से मौजूदा ईएमआई को सकल मासिक आय (GMI) से घटाया नहीं जाना चाहिए.

नोट :अनुमेय पात्र मानदंडों से कम मूल्य के आधार पर अनुमेय ऋण राशि का मूल्यांकन किया जाएगा:

अधिकतम अनुमेय एलटीवी (LTV) अनुपात

तथा

अनुमेय ईएमआई / एनएमआई अनुपात

3. सकल वार्षिक आय में सभी स्त्रोतों से केवल नियमित आय शामिल होनी चाहिए . सकल वार्षिक आय पर पहुँचते सम्त विंडफाल आय या अस्थायी प्रकृति की आय आदि को बाहर रखा जाना चाहिए, भले ही ऐसी आय स्ट्रीम नियमित हो.

4. आवेदकों द्वारा बताई गई आय को दस्तावेजी साक्ष्य द्वारा समर्थित किया जाना चाहिए.

मार्जिन :

1. (वेतनभोगी उधारकर्ताओं के लिए)

रु. 30 लाख रुपये तक के ऋण की लागत का 90%

रु. 30.00 लाख से ऊपर के ऋण की लागत का 80%

रु. 75 लाख से ऊपर के ऋण के लिए लागत का 75%

रु. 75 लाख ईएमआई/ एनएमआई अनुपात मानदडों के अधीन

(नए/ मौजुदा घर फ्लैट के निर्माण /खरीद की लागत या मौजूदा घर/ फ्लैट के विस्तार की लागत (भूमि की लागत सहित) के माध्यम से लागत.

2. मौजूदा घर/ फ्लैट के मरम्मत /नवीनीकरण /विस्तार/ परिवर्तन की लागत का 75% अधिकतम ईएमआई/ एनएमआई अनुपात मानदंड के अधीन.

3. ईएमआई/ एनएमआई अनुपात मानदंड के अनुपालन के बाद की लागत का 75% (पंजीकृत मूल्य). स्टैण्डअलोन आधार पर प्लॉट को वित्तपोषित नहीं किया जाना चाहिए. प्लॉट का अधिकांश हिस्सा आवास इकाई की कुल लागत का 75% से अधिक नहीं होना चाहिए.

1. (गैर- वेतनभोगी उधाकर्ताओं के लिए)

रु. 75 लाख तक के ऋण की लागत का 80%

रु. 75 लाख से अधिक ऋण के लिए लागत का 75%

2. मौजुदा घर/ फ्लैट के मरम्मत/ नवीनीकरण / लागत के 75% अधिकतम ईएमआई/ एनएमआई अनुपात के अधीन.
3. मौजुदा घर/ फ्लैट या कॉस्ट (पंजीकृत मूल्य) के विस्तार की लागत का 75% ईएमआई/ एनएमआई मानक के अनुपालन के बाद.
4. स्टैण्डअलोन आधार पर प्लॉट को वित्तपोषित नहीं किया जाना चाहिए. प्लॉट का धिकांश हिस्सा आवास इकाई की कुल लागत का 75% से अधिक नहीं होना चाहिए.

चुकौती :

- 30/25 वर्ष की अधिकतम अवधि या उधारकर्ता 70 वर्ष की आयु तक पहुँचने पर जो भी पहले हो.
- मरम्मत / नवीनीकरण के मामले में 10 साल

ब्याज दर :

रेपो आधारित उधार दर (RBLR) = रेपो + स्प्रेड+ क्रेडिट जोखिम
सीआईसी (CIC) स्कोर और आंतरिक जोखिम रेटिंग के आधर पर रेपो आधारित उधार दरें.

आंतरिक जोखिम रेटिंग स्कोर	सीआईसी स्कोर (CIC SCORES)		
	725 से अधिक सिबिल/ सीआरआईएफ अथवा 750 से अधिक के लिए	701- 725 से अधिक सिबिल/ सीआरआईएफ अथवा 726-750 से अधिक के लिए	675-700 सिबिल/ सीआरआईएफ अथवा 700-725 के लिए
	ए	बी	सी
71-100 (सीबीआई-1 से 3 अर्थात कम जोखिम)	आरबीएलआर	आरबीएलआर+0.10	आरबीएलआर+0.20

50-70 (सीबीआई-4 से 6 अर्थात मध्यम जोखिम)	आरबीएलआर+0.25	आरबीएलआर+0.35	आरबीएलआर+0.45
50 से कम (सीबीआई-7 से 10 अर्थात अत्यधिक जोखिम)	आरबीएलआर	आरबीएलआर	आरबीएलआर

50 से नीचे के आंतरिक जोखिम रेटिंग स्कोर पर विचार नहीं किया जाएगा.

- 675 सिबिल /सीआरआईएफ से नीचे और Experian से 700 से कम स्कोर वाले ग्राहकों को की नई मंजूरी नही.

सीआईसी स्कोर के विचार में मानदंड :

आवेदक का न्युउनतम क्रेडिट सूचना कंपनी (सीआईसी) का स्कोर निम्नानुसार है :

सीअईसी न्युनतम सीमा : सीमा का नाम :-

ट्रांसयूनियन सिबिल 675

सीआरआई 675

एक्सपीरियन (Experian) 700

अधिस्थगन अवधि :

अधिस्थगन अवधि के मामले में निर्माण के मामले में अधिकतम 24 महिने तक की अवधि 18 माह से अधिक है. प्री-ईएमआई ब्याज उधारकर्ता द्वारा और जब लागू किया जाता है, तब देय होता है.

प्रसंस्करण शुल्क :

अधिकतम 20,000/- के अधीन ऋण राशि का 0.50%

----- स्रोत द्वारा जारी

श्री सत्येन्द्र सिंह
मुख्य प्रबंधक - वसूली
मुंउक्षेका

मन के हारे हार है .. मन के जीते जीत

संस्कृत की एक कहावत है - मन एवं मनुष्याणां कारण बन्धमोक्षयी. अर्थात मन ही मनुष्य के बंधन और मोक्ष का कारण है. तात्पर्य यह है कि मन ही मनुष्य को संसारिक बंधनों में बांधता है और मन ही बंधनों से छुटकारा दिलाता है. यदि मन ना चाहे तो व्यक्ति बड़े से बड़े बंधनों की भी उपेक्षा कर सकता है. शंकराचार्य ने कहा हि कि "जिसने मन को जीत लिया, उसने जगत को जीत लिया." मन ही मनुष्य को स्वर्ग या नरक में बैठा देता है. स्वर्ग या नरक में जाने की कुँजी भगवान ने हमारे हाथों में ही दे रखी है.

उक्ति का आशय मन के महत्व पर विचार करने के उपरांत प्रकरण संबंधी उक्ति के आशय पर विचार किया जाना आवश्यक है.

मन के हारे हार है, मन के जीते जीत... अर्थात दु:ख और सुख तो सभी को रहते हैं , इसलिए अपना पौरुष मत छोडो. क्योंकि हार और जीत तो मन के मानने अथवा ना मानने के उपर है. अर्थात मन के द्वारा हार स्वीकार किये जाने पर व्यक्ति की हार सुनिश्चित है. इसके विपरीत यदि व्यक्ति का मन हार स्वीकार नहीं करता है तो विपरित परिस्थितियों में विजयश्री उसके चरण चूमती है. जय-पराजय, लाभ-हानि, यश-अपयश और सुख-दुख सब मन के ही कारण है. इसलिए व्यक्ति जैसा अनुभव करेगा वैसा ही बनेगा.

मन की दृढता के कुछ उदाहरण, हमारे सामने ऐसे अनेक उदाहरण है , जिसमें मन की संकल्प शक्ति के द्वारा व्यक्तियों ने अपनी हार को विजयश्री में परिवर्तित कर दिया. महाभारत के युद्ध में पांडवों की जीत का कारण यही था कि श्रीकृष्ण ने उनके मनोबल को दृढ कर दिया. नचिकेता ने न केवल मृत्यु को पराजित किया, अपितु यमराज से इच्छानुसार वरदान भी प्राप्त किया.

जैसे कि मकड़ी भी कई बार उपर चढती हैं पर चढते समय बार-बार गिरती भी है. लेकिन अंत में वह उपर चढ ही जाती है. इसी बात से राज्य करने वाले राजा अपार प्रेरणा लेते हैं और अपने शक्ति का

संचय कर वह अपने शत्रु को पराजित करके अपना राज्य वापस लेते हैं. इस छोटी सी कथा में यही सार निहित है कि मन के न हारने पर एक न एक दिन सफलता मिल ही जाती है.

मन को शक्ति संपन्न कैसे किया जाए? प्रश्न यह उठता है. मन को शक्ति संपन्न बनाने के लिए सबसे पहले उसे अपने वश में रखना होगा. अर्थात जिसने अपने मन को वश में कर लिया, उसने संसार को वश में कर लिया. किंतु जो मनुष्य मन को न जीतकर स्वंय उसके वश में हो जाता है. उसने मानो सारे संसार की अधीनता स्वीकार कर ली.

अल्प साधनों वाले महाराणा प्रताप ने अपने मन में दृढ संकल्प करके मुगल सम्राट अकबर से युद्ध किया. शिवाजी ने बहुत थोडी सी सेना लेकर ही औरंगजेब से दात खट्टे कर दिए. द्वितीय विश्व युद्ध में अमेरिका द्वारा गिराए अणुबम के विस्फोट ने जापान को पूरी तरह बरबाद कर दिया था , किंतु अपने मनोबल की दृढता के कारण आज वही जापान विश्व के गिने-चुने शक्ति संपन्न देशों में से एक है. दुबले पतले गांधी जी ने अपने दृढ संकल्प से ब्रिटिश साम्राज्य की नींव को हिला दिया था. इस प्रकार के कितने उदाहरण प्रस्तुत किए जा सकते हैं, जिनसे यह बात स्पष्ट हो जाती है कि हार-जीत मन की दृढता पर ही निर्भर करती है.

उपसंहार -

मन परम शक्ति संपन्न है. यह अनंत शक्ति का स्त्रोत है . मन की इसी शक्ति को पहचानकर ऋग्वेद में यह संकल्प अनेक बार दोहराया गया है- "अहमिन्द्रो न पराजिग्ये" अर्थात में शक्ति का केन्द्र है और जीवन पर्यंत मेरी पराजय नहीं हो सकती है. यदि मन की इस अपरिमित शक्ति को भूलकर हमने उसे दुर्बल बना लिया तो सबकुछ होते हुए भी हम अपने को असंतुष्ट और पराजित ही अनुभव करेंगे और यदि मन को शक्ति संपन्न बनाकर रखेंगे तो जीवन में पराजय और असफलता का अनुभव कभी न होगा.

****

दिनांक 31.12.2020 पर आधारित

मुंबई उपनगरीय क्षेत्रीय कार्यालय : एक नजर

कुल शाखाएँ :

महानगरीय	अर्द्ध - शहरी	ग्रामीण
34	01	04

व्यवसाय एक नजर में

चालू जमा	बचत जमा	कासा जमा
369.01	3251.50	3620.50

कुल अग्रिम

रिटेल	एमएसएमई	कृषि	एनपीए
917.88	381.64	14.99	143.26

वित्तीय वर्ष 2020-21 का वार्षिक कार्यक्रम

क्र.सं.	कार्य विवरण	"क" क्षेत्र	"ख" क्षेत्र	"ग" क्षेत्र
1.	हिन्दी में मूल पत्राचार (ई- मेल सहित)	"क" क्षेत्र को 100%	"क" क्षेत्र को 90%	"क" क्षेत्र को 55%
		"ख" क्षेत्र को 100%	"ख" क्षेत्र को 90%	"ग" क्षेत्र को 55%
		"ग" क्षेत्र को 65%	"ग" क्षेत्र को 55%	"ग" क्षेत्र को 55%
2.	हिन्दी में प्राप्त पत्रों का उत्तर हिन्दी में देना	100%	100%	100%
3.	हिन्दी में टिप्पण	75%	50%	30%
4.	हिन्दी माध्यम से प्रशिक्षण कार्यक्रम	70%	60%	30%
5.	हिन्दी में टंकक एवं आशुलिपि की भर्ती	80%	70%	40%
6.	हिन्दी में डिक्टेशन	65%	55%	30%
7.	हिन्दी प्रशिक्षण	100%	100%	100%
8.	द्विभाषी प्रशिक्षण सामग्री तैयार करना	100%	100%	100%
9.	पुस्तकों की खरीद	50%	50%	50%
10.	कम्प्यूटर, इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों द्विभाषी खरीद	100%	100%	100%
11.	वेबसाइट द्विभाषी हो	100%	100%	100%
12.	नागरिक चार्टर तथा जन सूचना बोर्डों आदि का प्रदर्शन द्विभाषी हो	100%	100%	100%
13.	(i) मंत्रालयों /विभागों और कार्यालयों तथा राजभाषा विभाग के अधिकारियों द्वारा अपने मुख्यालय से बाहर स्थित कार्यालयों का निरीक्षण	25% (न्यूनतम)	25% (न्यूनतम)	25% (न्यूनतम)
	(ii) मुख्यालय में स्थित अनुभागों का निरीक्षण	25% (न्यूनतम)	25% (न्यूनतम)	25% (न्यूनतम)
	(iii) विदेश में स्थित केन्द्र सरकार के स्वामित्व एवं नियंत्रण के अधीन कार्यालयों / उपक्रमों का संबंधित अधिकारियों तथा राजभाषा विभाग के अधिकारियों द्वारा संयुक्त निरीक्षण	वर्ष में कम से कम एक निरीक्षण		
14.	राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठके वर्ष में	04	04	04
15	कोर्ड, मैन्युअल, फार्म का हिन्दी अनुवाद	100%	100%	100%

सेन्ट्रल बैंक ऑफ़ इंडिया
Central Bank of India
1911 से आपके लिए "केंद्रित" "CENTRAL" TO YOU SINCE 1911
कोरोना वायरस
को फैलने से रोकने तथा मानव सम्पर्क कम करने के लिए
नेट बैंकिंग, मोबाइल तथा अन्य डिजिटल प्लेट्फॉर्म का उपयोग करें.
हाथ मिलाने से बचें और
6 फीट की दूरी बनाए रखें
आंखे, नाक और मुंह
को छूने से बचें
गैर-जरुरी यात्रा से बचें
साबुन से हाथ 20 सेकंड तक धोएं
अथवा सैनिटाइज़र का प्रयोग करें
खांसते/छींकते समय मुंह को
टिश्यू पेपर या रूमाल से ढंके
HOSPITAL
कुछ संदेह होने पर नजदीकी सरकारी
अस्पातल से सम्पर्क करें
Mr. XXX XXXXX XXXX
Last Login: 00.00.0000 Time: 00:00:00 IST
My Account
CB1234XXXXXX
CB1456XXXXXX
CB1567XXXXXX
CB1789XXXXXX
Available Balance
₹ 0,00,000.00
Accounts
Transfer
Bill Pay
Cards
VAS
Request
Home
Alerts
Favourites
Logout
कोरोना हेल्प लाइन नंबर : 011 2397 8046
आइए मिलकर कोरोना वायरस का मुकाबला करें
टोल फ्री नम्बर 1800-22-1911
www.centralbankofindia.co.in
हमें लाईक करें: https://www.facebook.com/CentralBankofIndia
हमें फॉलो करें: https://twitter.com/centralbank_in